हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शुक्रवार 31 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) पर जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

मण्डला। केंद्रीय विद्यालय, मंडला में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन विद्यालय के प्राचार्य आर. एस उलाड़ी के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रमुख प्रावधानों एवं उसके महत्व से अवगत कराना था। कार्यक्रम का संचालन पी.के. चौरसिया द्वारा प्रभावी एवं व्यवस्थित ढंग से किया गया। इस अवसर पर कक्षा 11वीं की छात्राओं अवर्णा गौतम एवं इच्छा अहाके ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए इसके उद्देश्य, विशेषताओं तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती सुषमा चौदहा उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रमुख बिंदुओं की विस्तृत एवं सरल व्याख्या करते हुए बताया कि यह नीति विद्यार्थियों में रचनात्मकता, कौशल विकास, नवाचार तथा समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप अध्ययन करने तथा अपने ज्ञान और कौशल का निरंतर विकास करने के लिए प्रेरित किया। अंत में पी के चौरसिया ने सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

बॉटब्रो कंपनी ने निवास के लोगों से लूटे करोड़ों रूपये

ज्यादा ब्याज के चक्कर में गई पूंजी

*** प्रारंभ में मिला पैसा तो फिर न किसी से पूछा न किसी को बताया।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/निवास

यह दुबई स्थित एक समर्पित कंपनी है, जिसकी स्थापना 2016 में लविश चौधरी ने की थी। यह एआई-आधारित फॉरेक्स ट्रेडिंग बॉट प्रदाता के रूप में काम करती है, कंपनी के 27 सक्रिय प्रतिस्पर्धी हैं इसके प्रमुख प्रतिस्पर्धियों में आर्या, लाइटपिप्स और ट्रेडमिनेटर जैसी कंपनियां शामिल हैं।

जमा धन राशि के चीटिंग मामले से सुर्खियों में आई और चर्चित दुबई की निजी बैंकिंग कम्पनी (बॉटब्रो) के निवास के एजेंट द्वारा ग्राहकों से करोड़ों रुपये बसूले गये। शुरुआत में ग्राहकों को जमा राशि के हिसाब से 6 से 7% ब्याज दिया जाता रहा ग्राहकों को हर महीने समय पर ब्याज की मोटी रकम मिलने से उपभोक्ता भारी खुश होते रहे, लेकिन कुछ ही वर्षों में यह विदेशी कम्पनी बंद हो गई।

पश्चात लाखों की राशि के जमाकर्ता सकते में आ गये और सम्बन्धित एजेंट से सम्पर्क साधकर कुछ लोग अपनी राशि निकालने में सफल हो गये, वहीं कुछ ऐसे उपभोक्ता जो 50 हजार से 1,00000 तक की राशि जमाकर मिलने वाले ब्याज से संतुष्ट थे, वो ठगे गये और ऐसे अनेकों ग्राहक निवास नगर व आसपास गावों के हैं जो अब अपने खुन पसीने की कमाई खोकर हाथ मल रहे हैं।

उक्त कंपनी का एजेंट ग्राहकों से अब यह कहकर पल्ला झाड़ रहा है कि में क्या कर सकता हूं, विदेशी कम्पनी थी बंद हो गई।

बड़ी राशि के जमाकर्ता बनाते गये चैन

ज्ञात हो की उक्त कम्पनी चैन लिंक बनाकर बड़ी राशि जमा करवाने वाले ग्राहक को न सिर्फलोगों बोनस की राशि दी बल्कि ऐसे लोगों को दुबई जैसे विदेश तक की यात्रा करवाई जिससे छोटे व अन्य निवेशकों का कम्पनी पर भरोसा बढ़ा और दिनों दिन इस कम्पनी के ग्राहकों में में बढ़ोत्तरी होती गई।

अचानक ब्रॉड ब्रो बंद कैसे मिले इनकी जमा राशि

ज्ञात हो कि उक्त विदेशी कम्पनी का मुख्य एजेंट निवास नगर का ही निवासी है, जो अज्ञात माध्यमों से उक्त कंपनी से जुड़ा और ग्राहकों को कम्पनी के लेनदेन की बड़ी 2 बातें बताकर लोगों को विश्वास में लिया और लोग ब्याज की बड़ी राशि मिलने के लालच में फँसते चले गये।

वहीं अब उक्त कम्पनी के बंद हो जाने पर वे लोग बेहद खुश हैं जो अपनी लाखों की राशि निकालने में सफल हो गये, ऐसे में बड़ा सवाल यह कि छोटे निवेशक जिनको बड़ी राशि जमा कर्ताओं ने विश्वास में लेकर उनकी पूंजी इन्वेस्ट करवाई थी, ऐसे जालसाजों पर विधि अनुरूप कार्रवाई होना न सिर्फ जनहित में होगा बल्कि भविष्य में ऐसे लोग गरीब लोगों से ठगी करने से बाज भी आएंगे।

शिक्षकविहीन विद्यालयों में भेजे जाएंगे 316 अतिशेष शिक्षक

*** बैगा विकास प्राधिकरण की बैठक में कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जिले के शिक्षकविहीन एवं एक शिक्षक से संचालित विद्यालयों में जल्द ही 316 अतिशेष शिक्षकों की पदस्थापना की जाएगी। यह निर्णय कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में आयोजित बैगा विकास प्राधिकरण की बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने निर्देश दिए कि अतिशेष शिक्षकों को प्राथमिकता के आधार पर ऐसे विद्यालयों में भेजा जाए, जहां शिक्षकों की कमी है, ताकि विद्यार्थियों को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि शिक्षा बच्चों के भविष्य की आधारशिला है, इसलिए किसी भी विद्यालय में शिक्षकों का अभाव नहीं रहना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से उन विद्यालयों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए, जहां वर्तमान में केवल एक अतिथि शिक्षक कार्यरत है तथा शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। ऐसे विद्यालयों में नियमित शिक्षकों की पदस्थापना सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग अरुण शुक्ला ने बताया कि जिले में कुल 316 अतिशेष शिक्षक चिन्हित किए गए हैं। इनमें मंडला विकासखंड के 163, नैनपुर के 48 तथा नारायणगंज के 37 शिक्षक शामिल हैं। इन शिक्षकों की पदस्थापना शिक्षकविहीन एवं शिक्षक की कमी वाले विद्यालयों में की जाएगी, जिससे अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

बैठक में बैगा समुदाय के शिक्षा, कल्याण एवं विकास से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर नारायणगंज बालक हाई स्कूल प्राचार्य जिले में सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/नारायणगंज

गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर शासकीय हाई स्कूल बालक नारायणगंज के कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा 2026 में 100% परीक्षा परिणाम आने पर कैबिनेट मंत्री स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मध्य प्रदेश एवं कलेक्टर के कर कलमों द्वारा विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्रीमती रानू बैन को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटम योजना भवन मांडला में प्राप्त हुआ विद्यालय में 23 छात्र परीक्षा में उपस्थित थे जिसमें से 17 छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए यह सब विद्यालय के समस्त स्टाफ की मेहनत परिश्रम एवं लगन का परिणाम है छात्रों ने 100% परिणाम लाकर विद्यालय और शिक्षकों को गौरान्वित किया है। विकास खंड शिक्षा अधिकारी राजेश विश्वकर्मा ने बधाई दी।

6 स्टॉप डैम से 331 एकड़ में सिंचाई को मिलेगा बढ़ावा

*** 296 किसान होंगे लाभान्वित।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/नारायणगंज

नारायणगंज विकासखंड में जल संरक्षण और किसानों के लिए सिंचाई की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया गया है। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन के सहयोग से अर्पण सेवा संस्थान द्वारा समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्र के विभिन्न गांवों में 6 स्टॉप डैम का निर्माण किया गया है। इन जल संरचनाओं से 53 हजार 500 घन मीटर पानी के भंडारण की क्षमता विकसित हुई है। इससे करीब 331 एकड़ कृषि भूमि और 296 किसानों को लाभ मिलेगा।

समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत नारायणगंज के टिकरिया, देवरी, हनीमट्टा, बम्हनी (परतला) और बोरिया गांवों में स्टॉप डैम बनाए गए हैं। हनीमट्टा में दो तथा अन्य चार गांवों में एक-एक स्टॉप डैम का निर्माण किया गया है। इन संरचनाओं के माध्यम से बरसात के पानी को रोककर खेती के लिए उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है।

स्टॉप डैम बनने से बारिश के दौरान बहकर निकल जाने वाले पानी को स्थानीय स्तर पर रोकने में मदद मिलेगी। इससे किसानों को खेती के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ने के साथ ही आसपास के कुओं और भूजल स्तर के पुनर्भरण में भी सहायता मिलेगी। विशेष रूप से रबी सीजन में सिंचाई की सुविधा बढ़ने से किसानों को खेती का क्षेत्र बढ़ाने और फसल उत्पादन में सुधार करने का अवसर मिलेगा।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन और अर्पण सेवा संस्थान द्वारा किए जा रहे इन प्रयासों का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में जल सुरक्षा और कृषि आधारित आजीविका को मजबूत करना है। नारायणगंज क्षेत्र में तैयार की गई इन छह जल संरचनाओं से आने वाले समय में किसानों को सिंचाई के लिए स्थानीय स्तर पर जल उपलब्ध कराने में मदद मिलने की उम्मीद है।

नन्ही क्रिषा दुबे राष्ट्रीय ऑनलाइन वेशभूषा प्रतियोगिता में बनी विजेता

*** बढ़ाया मंडला जिले का मान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/बम्हनीबंजर

जिले के बम्हनी बंजर की मात्र चार माह की नन्ही बालिका क्रिषा दुबे ने राष्ट्रीय ऑनलाइन वेशभूषा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता का स्थान प्राप्त कर मंडला जिले तथा दुबे परिवार का गौरव बढ़ाया है।

यह प्रतियोगिता चाइल्ड ड्रीम बूस्टर हब द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर के प्रतिभाशाली बच्चों ने भाग लिया। क्रिषा ने अपनी आकर्षक वेशभूषा, मनमोहक प्रस्तुति एवं सहज अभिव्यक्ति से निर्णायक मंडल को प्रभावित करते हुए यह उपलब्धि अपने नाम की।

इतनी कम आयु में मिली इस सफलता से बम्हनी बंजर सहित पूरे दुबे परिवार में हर्ष का वातावरण है। क्रिषा की इस उपलब्धि पर परिजनों, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसे उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं।

क्रिषा, पंडित ओमप्रकाश दुबे एवं बसंत दुबे की सुपौत्री हैं तथा शीतला वार्ड, बम्हनी बंजर, जिला मंडला की निवासी हैं। परिजनों ने विश्वास व्यक्त किया है कि क्रिषा भविष्य में भी अपनी प्रतिभा के बल पर नई-नई उपलब्धियाँ हासिल कर जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन करेगी।

माँ नर्मदा दर्शन | जय जय माँ रेवा सेवा समिति श्रृद्धालुओं को कराती है अमरकंटक धाम के दर्शन।

गुरूपुर्णिमा पर श्रृद्धालुओं का जत्था पहुंचा अमरकंटक धाम

*** 21 वर्षो से लगातार करा रहे दर्शन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर जय जय मां रेवा सेवा समिति 21 वर्षों की पुरानी परंपरा को निभाते हुए इस वर्ष भी श्रृद्धालुओं को अमरकंटक धाम की यात्रा कराई। मंडला झूला पुल स्थित मां नर्मदा तट पर पूजा-अर्चन के बाद श्रद्धालुओं का जत्था बस से अमरकंटक के लिए रवाना हुआ। अगले दिन गुरु पूर्णिमा पर अमरकंटक पहुंचकर करीब 70 से 80 श्रद्धालुओं ने माँ की बगिया में मां नर्मदा का विधि-विधान से पूजन महाआरती और चुनरी अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। पूजन के बाद समिति की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। अमरकंटक पहुंचे परिक्रमावासियों और अन्य श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित कर सेवा की गई। कार्यक्रम उपरांत माई बगिया में मां शारदा सुंदरकांड भजन मंडल समिति के द्वारा संगीतमय भक्ति कार्यक्रम आयोजित किया। समिति प्रमुख संतोष कछवाहा और उनकी टीम ने भजनों की ऐसी प्रस्तुति दी कि श्रृद्धालु भक्ति में झूम उठे। वहीं जय जय मां रेवा सेवा समिति सदस्य अर्जुन कछवाहा ने बताया कि समिति पिछले 21 वर्षों से लगातार गुरु पूर्णिमा पर श्रृद्धालुओं को अमरकंटक धाम ले जा रही है। उनका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को माँ नर्मदा के दर्शन कराना है। समिति माँ नर्मदा को ही अपना गुरु स्वरूप मानती है। समिति के रघुनन्दन करोसिया (रघु बब्बा) ने बताया कि कई श्रद्धालु इच्छा होने के बावजूद अमरकंटक नहीं जा पाते। ऐसे लोगों को दर्शन कराने और परिक्रमावासियों की सेवा के उद्देश्य से यह यात्रा आयोजित की जाती है। उन्होंने बताया कि समिति हर वर्ष शीतकाल में मंडला में उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा का भी आयोजन करती है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। गुरु पूर्णिमा के दूसरे दिन मंडला के झूला पुल स्थित जय जय श्री दादाजी महाराज दरबार में भी गुरूदीक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने गुरुदेव का पूजन कर आशीर्वाद लिया। धार्मिक यात्रा को सफल बनाने में रितेश धौलपुरिया, अर्जुन कछवाहा, प्रहलाद लाहोरी, अभिनाश अग्रवाल, सोनल बर्मन, अमर लाहोरिया, विनोद सोनकेशरी, रोहित चावरे, सुदामा राठौर, अनिल सिंहानी, रिंकू कछवाहा, पप्पू कछवाहा, भवानी चक्रवाती, बंटू परस्ते, पवन कांसकार, बादल मालवानी, गोल्डी गुप्ता, जय धौलपुरिया, नवनीत नामदेव, रवि करोसिया, प्रशांत कांसकार, अरुण झारिया, मनोज झारिया, मनोज ताम्रकार, नवीन ठाकुर, शीलेन्द्र करोसिया, संजू यादव, शिवेंद्र कुमार बरमैया, अविनाश कछवाहा, श्री पाण्डेय, संतोष मेहरोलिया, शिवा यादव, रघुनन्दन करोसिया (रघु बब्बा), रोहित बघेल सहित सभी सदस्यों का योगदान रहा।

कान्हा पार्क प्रबंधन पर कार्रवाई के लिए पत्रकारों ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

बुधवार को जहां एक ओर कान्हा पार्क प्रबंधन विश्व बाघ दिवस मना रहा था। जिसमें जगह-जगह बाघों के संरक्षण का संदेश दिया जा रहा था तो वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में पत्रकार प्रबंधन के खिलाफ धरने में बैठे हुए थे। पत्रकारों का कहना था कि प्रबंधन एक ओर आमजनों को बाघों का महत्व बता रहा है, बाघों के संरक्षण का संदेश दे रहा है वहीं स्वयं बाघों की सुरक्षा को लेकर अब तक प्रबंधन लापरवाह बना रहा है। कभी बाघों की सुरक्षा तो कभी बाघों के इलाज में लापरवाही की खबरें लगातार सामने आती रही है, लगातार लापरवाही के कारण ही आज बाघों की मौत से जुड़ा मामला न्यायालय तक पहुंच गया है। जहां अब प्रबंधन को जवाब देना पड़ेगा कि उन्होंने अब तक बाघों को बचाने के लिए क्या-क्या किया है।

पत्रकारों ने बताया कि प्रबंधन विश्व बाघ दिवस मनाकर वाहवाही लूटने का प्रयास कर रहा है। जबकि पिछले कुछ माहों में हुई बाघों की मौत के लिए काफी हद तक प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों की लापरवाही सामने आती रही है। प्रबंधन की लापरवाही को उजागर करने के लिए ही पत्रकारों द्वारा 28 और 29 जुलाई को दो दिवसीय धरना प्रदर्शन कलेक्ट्रेट मार्ग में किया गया है, 29 जुलाई को धरना समाप्ति पर राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया है जिसमें मांगे रखी गई कि कान्हा टाइगर रिजर्व में हो रही बाघों की असामयिक मौतों की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए और दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो। कान्हा के बफर जोन में हो रहे अवैध अतिक्रमण को तुरंत चिन्हित कर अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई की जाए। कान्हा में चल रही जिप्सी वाहनों की जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।कान्हा क्षेत्र को मांसाहार से मुक्त घोषित किया जाए। पत्रकारों की माह में एक बार कान्हा की मॉनिटरिंग कराई जाए। इसी के साथ बाघों की सुरक्षा को लेकर लापरवाह बने कान्हा प्रबंधन को तत्काल हटाने की मांग भी की गई है।

खबर संक्षेप

स्कूल में आयोजित हुई जिला स्तरीय मलखम्ब प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सत्र 2026-27 की जिला स्तरीय शालेय मलखम्ब प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय शासकीय पीएमश्री बालक उ मा विद्यालय में किया गया। इस प्रतियोगिता में अंडर 14, 17 एवं 19 आयु वर्ग के छात्र छात्राओं ने सहभागिता करते हुए अपने जौहर दिखाए। प्रतियोगिता उपरांत जिला स्तरीय स्पर्धाओ हेतु छात्र छात्राओं का चयन उनके बेहतर खेल के आधार पर किया गया। इन प्रतियोगिताओ के आयोजन के दौरान जिला क्रीड़ा अधिकारी के आलवा संस्था की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती पुष्पा बरहैया, के के राजोरिया, व्यायाम शिक्षक विक्रम शर्मा, अजय सोनी, मधुसूदन पटैल, शकुंतला मांझी, मनीष कोस्टी सहित अन्य शिक्षकगण मौजूद थें।

विकास की बाट जोहते हुए क्षेत्र के अनेक गांव बारिश के दौरान पहुंचना हो जाता है मुश्किल

हरिभूमि न्यूज/ बारहाबड़ा। भले ही केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा हर वर्ष करोड़ो रूपया खर्च करते हुए देश से लेकर प्रदेश व शहरों से लेकर गांवों का विकास कराने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है और आये दिन नेताओं को भी क्षेत्र में विकास की गंगा बहाने की बात कहते हुए सुना जाता है, मगर इसके बाद जब विकास की सच्चाई पर गौर किया जाता है तो संपूर्ण सच्चाई अपने आप ही उजागर होने से नही चूक पाती है, जब ग्रामीणों को कीचड़ के बीच से गुजरकर अपने घरों को जाने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों की देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि चीचली से चंद कदम दूरी पर स्थित इस प्रकार को पहुंचने के लिए आज भी पक्की सड़क का आभाव होने के कारण जरा सी बारिश के चलते लोगों को अपने गांवों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। क्योंकि क्षेत्र के अनेक गांवों के मार्ग की इस समय जिस प्रकार की स्थिति देखी जा रही है कि उस पर वाहन चलना तो दूर की बात पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है। इस प्रकार से इन मार्गो पर मची हुई कीचड़ क्षेत्र के विकास की सच्चाई का आईना बताने से नही चूक रही है? वही दूसरी ओर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जहां सरकार द्वारा आम लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही है जिसमें किसी भी विषम परिस्थति में मरीजो के लिए गांव से लाने के लिए शासन की 108 सेवा वही सुरक्षा के लिए पुलिस की 100 सेवा जो जरूरत पड़ने में 10 मिनिट के अंदर गांव पहुंचने की बात कही जाती है अब इस प्रकार से कीचड़ युक्त मार्गो के माध्यम से क्या ग्रामीणों को शासन द्वारा चलाई जा रही इन सेवाओं का लाभ मिल पायेगा?

कीचड़ युक्त मार्ग से निकलने के लिए मजबूर

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। भले ही सरकार द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुए लगातार विकास के बादे किये जा रहे है, मगर यदि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की सच्चाई पर जाया जावे तो वह योजनाएं कागजो तक ही सीमित नजर आने से नही चूक रहे है तथा इसी के चलते शासन द्वारा चलाई जा रही संपूर्ण योजनाओं पर प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक रहा है? इस बात की सच्चाई जनपद पंचायत सांईखेड़ा क्षेत्र के तहत आने वाले अनेक ग्रामों में ग्रामीणजन मूल भूत सुविधाओं से वंचित हैं, ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के बाद भी ग्रामीणजन रोजगार की तलाश में पलायन को मजबूर हैं? क्योंकि ग्रामीणों की समस्या के समाधान के लिये ना तो अधिकारी पहल कर रहे हैं और ना ही जनप्रतिनिधि।

तहसील कार्यालय में निजी तौर से पदस्थ अज्जू बाबू को लोकायुक्त टीम ने तीन हजार की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार, बरहटा निवासी आशीष कौरव की शिकायत पर की गई कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर के तहसील कार्यालय में गुरूवार को सनसनी का महौल उस समय मच गया जहां जबलपुर से आई हुई 6 सदस्यीय लोकायुक्त टीम द्वारा अचानक छापा डालते हुये एक बाबू को तीन हजार की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों पकड़ा गया। इस तरह लोकायुक्त टीम द्वारा की गई कार्यवाही की खबर जहां सभी शासकीय कार्यालयों में आग की तरह फैलने से नही चूक पाई थी और देखने मिला कि तहसील कार्यालय के आलवा अन्य विभागों के कार्यालयों से जहां अधिकारी गायब नजर आने से नही चूक पाये थें..? जिसके चलते लोग अपने जरूरी कार्यो के लिये चक्कर लगाते हुये दिखाई देने के साथ उनका काम नही होने से उन्हें खाली हाथ लौटने के लिये मजबूर होना पड़ा। इस तरह तीन हजार की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों पकड़े गये आरोपी को लेकर लोकायुक्त टीम द्वारा जानकारी देते हुये बताया है कि समीपस्थ ग्राम बरहटा निवासी आशीष पिता जग मोहन कौरव उम्र 38 साल द्वारा लोकायुक्त कार्यालय में अपनी शिकायत करते हुये बताया गया था कि मेरे व मेरे भाई रजनीश ने वर्ष 2023 में मौजा बरहटा स्थित भूमि को खरीदा गया था जिसके नक्शा दुरस्ती के लिये मैने दिनांक 24 अक्टूबर 2024 को लोकसेवा केन्द्र गाडरवारा में आवेदन किया गया था। इसकी पावती प्राप्त करने के बाद तहसील कार्यालय गाडरवारा में जमा किया गया था। इसके उपरांत 25 जुलाई 2026 को तहसील कार्यालय के बाबू अजय कुमार के द्वारा फोन पर बताया गया कि आपके नक्शा दुरूस्ती का आदेश हो चुका है। आदेश की प्रति लेने के लिये 5000 रूपया लगेगे नही दोगे तो आदेश की प्रति नही मिलेगी। इस तरह प्रार्थी से नक्शा दुरूस्ती के आदेश की प्रति देने के बदले में तहसील कार्यालय में निजी तौर पर पदस्थ अजय कुमार श्रीवास्तव द्वारा पांच हजार रूपया की रिश्वत मांगे जाने की शिकायत के बाद पुष्टि की गई और प्रार्थी को देने के लिये हमारे द्वारा जो नोट दिये गये थें। वही पैसा आरोपी को तहसील कार्यालय चैम्बर के अंदर दिये जा रहे थें उसी दौरान हमारी टीम द्वारा तहसील कार्यालय के बाबू अजय कुमार श्रीवास्तव के पास से तीन हजार रूपया सहित रंगे हाथों पकड़ने में सफलता हासिल की गई। इस तरह आज हमारी टीम द्वारा तहसील कार्यालय में पदस्थ बाबू अजय कुमार श्रीवास्तव को प्रार्थी आशीष कौरव से नक्शा दुरूस्ती के नाम पर रिश्वत के रूप में तीन हजार रूपया लेते हुये पकड़ने में सफलता हासिल की गई है। आरोपी के पास से जप्त राशि का पंचनामा बनाते हुये हुये मामला कायम कर आगे की कार्यवाही की जा रही है। इस तरह जबलपुर से आई हुई लोकायुक्त टीम द्वारा नगर के तहसील कार्यालय में निजी स्तर पर पदस्थ अजय कुमार श्रीवास्तव को रिश्वत लेते हुये पकड़ने में सफलता तो हासिल की गई है..? वही दूसरी ओर लोकायुक्त टीम द्वारा जब छापा डालते हुये यह कार्यवाही की गई उस दौरान तहसीलदार अपने चैम्बर में मौजूद नही थी। वही दूसरी ओर इस कार्यवाही को लेकर मौके पर मौजूद लोगों के बताये अनुसार कुछ अलग ही चर्चाओं का बाजार गर्म होने से नही चूक पा रहा है..। बताया जाता है जबलपुर से आई हुई टीम द्वारा बाबू को जबरन लिफाफा पकड़वाते हुये यह कार्यवाही की गई है यह कहा तक सत्य है इसकी पुष्टि तो नही की जा सकती है मगर इस तरह की चर्चाये जरूर सुनाई पड़ रही है...? इसी सच्चाई का पता लगाने के लिये पत्रकारों की टीम काफी समय तक कार्यवाही स्थल पर मौजूद रहते हुये लोकायुक्त टीम के अधिकारियों से मिलने का प्रयास करती रही। मगर अधिकारियों द्वारा कार्यवाही संबंधी जानकारी देने के लिये बस दस मिनिट कहते कहते घंटों का समय लगाये जाने के चलते मामले की सच्चाई अपने आप ही संदिग्ध बनने से नही चूक पा रही थी..? वही दूसरी ओर लोकायुक्त टीम द्वारा की गई कार्यवाही के लेकर जांच अधिकारियों को मीडिया के द्वारा पूछे जाने के बाद भी यह बताना उचित नही समझा गया कि रंगे हाथों पकड़े गये आरोपी के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है और जिस आरोपी को पकड़ा गया है वह शासकीय है कि निजी स्तर पर पदस्थ था या फिर इस मामले में एक से अधिक आरोपी बनाये गये है..? वही दूसरी ओर घटना स्थल पर कार्यवाही करने के उपरांत लोकायुक्त टीम आरोपी को मौके से रेस्ट हाऊस ले जाने की बात कहते हुये अपनी गाड़ी में बैठाते हुये रवाना हो गई। वही दूसरी ओर यदि शासकीय कार्यालयों की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो कर्मचारियों की कमी के चलते निजी स्तर पर बैठाये गये कर्मचारियों द्वारा इस तरह अधिकारियों के नाम पर छोटे छोटे कामों के बदले में आमजन से मनमानी राशि बसूलने से नही चूक रहे है। अनेक जगहों के हाल तो इस तरह बने हुये है कि संबंधित अधिकारियों को जानकारी ही नही रहती है और इस तरह निजी स्तर के कर्मचारी अधिकारी के नाम पर राशि लेते हुये खेला करने से नही चूक रहे है और इस तरह के कर्मचारियों के चलते निष्ठावान अधिकारी बदनाम होने से नही बच पाते है..? यदि शासकीय कार्यालय मुख्य रूप से राजस्व विभाग में इस तरह निजी स्तर पर बैठाये गये कर्मचारियों की जगह जब तक शासकीय कर्मचारियों की नियुक्ति नही होती है तब तक न तो इस तरह आमजन से पैसा बसूलने की प्रवृति पर रोक लग सकती है और न ही विभाग की गोपनीय जानकारियाँ लोगों तक पहुंचने से रोका जा सकता है..? अनेक मामलों में देखा जाता है कि जब कोई व्यक्ति किसी के खिलाफ कोई शिकायत या फिर अपील करता है तो इस तरह से निजी स्तर पर बैठे हुये लोगों द्वारा दूसरे पक्ष को सूचना देते हुये अवगत कराया दिया जाता है या फिर वह शिकायत को गायब करने में भी पीछे नही रहते है...?

गुरु पूर्णिमा पर गायत्री परिवार द्वारा आयोजित पंच कुण्डीय यज्ञ

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। स्थानीय गायत्री परिवार द्वारा पंचकुंडीय गायत्री यज्ञ के साथ दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा पर्व का समापन हुआ। बताया जाता है कि आयोजन के प्रथम दिवस मंत्र जप साधना के साथ शाम को दीपयज्ञ में सैकड़ों परिजनों में भाग लिया। वही द्वितीय दिवस गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पंच कुण्डीय गायत्री यज्ञ श्रद्धा पूर्वक संपन्न हुआ। तेज बारिश के बाबजूद वन क्षेत्र पीपली बड़ागांव से रामदीन भारिया, आडेगांव खुर्द से गीता प्रसाद कौरव, पीतम कौरव, सरपंच मुकलेश पटेल, सतीश पटेल, बगलई से गोविंद कौरव, पिपरिया से गोपाल कौरव, सुरेश सरेठा, सालेचौका से श्रीमती राधा वर्मा ने भीगते हुए आकर यज्ञ में आहुतियां प्रदान करते हुये पुण्य लाभ अर्जित किया गया। वही इसके अलावा स्थानीय गायत्री परिजन समूहों में आ आकर यज्ञ पालियों में सम्मिलित होते रहे। गुरुदेव की साधना शताब्दी, अखंड दीप की शताब्दी तथा माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी वर्ष में गुरु पूर्णिमा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर सभी नये पुराने परिजनों ने गुरु दक्षिणा के रूप में अंशदान संकलित कर शांतिकुंज हरिद्वार भेजा। इस अवसर पर यज्ञीय कर्मकांड के साथ एक विद्यारंभ, एक जन्म दिवस एवं सात परिजनों द्वारा दीक्षा ली। कार्यक्रम में प्रबंध ट्रस्टी मूलचंद शर्मा, सह प्रबंध ट्रस्टी सुरेश गुप्ता, राजेश कुमार कौरव, आर पी सिंह, यशपाल राजपूत, प्रोफेसर प्रहलाद कौरव, राजेन्द्र राय, प्रदीप श्रीवास्तव, दुर्गेश साहू, लक्ष्मी शुक्ला, ज्ञानरानी हरदेनिया, उमाशंकर पहलवान, दिनेश पटेल, आशीष सक्सेना, पतंजलि योग समिति की बहनों का विशेष सहयोग रहा।

साईंखेड़ा में कलेक्टर ने आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर दिए दिशा-निर्देश, स्वस्थ माँ और स्वस्थ शिशु ही हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। क्षेत्र के भ्रमण पर निकली हुई जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गुरुवार को दादा धूनी वालों की नगरी साईंखेड़ा में आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण तथा कुपोषण मुक्ति अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुये उन्होंने कहा कि स्वस्थ माँ और स्वस्थ शिशु ही एक स्वस्थ समाज की आधारशिला हैं। इस दिशा में आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होना चाहिये। इस दौरान उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान करते हुये कहा कि स्वस्थ माँ और स्वस्थ शिशु ही हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। समाज सेवा का जो अवसर आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिला है, वह केवल एक दायित्व नहीं बल्कि मानव सेवा का श्रेष्ठ माध्यम है। जिला कलेक्टर ने इस दौरान कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिला, धात्री माता एवं छोटे बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी करना, उन्हें समय पर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा पोषण संबंधी जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसी भी हितग्राही को स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं का सामना न करना पड़े, इसके लिए समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाएं। वही दिये गये अपने निर्देश में कहा कि हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर तत्काल स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित कर आवश्यक उपचार सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ बचपन सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने क्षेत्र के प्रत्येक परिवार से सतत संपर्क बनाए रखें। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिले को कुपोषण मुक्त बनाने का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब प्रत्येक पात्र बच्चे और गर्भवती एवं धात्री महिला तक पौष्टिक आहार और शासकीय योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे। इस दिशा में घर-घर पहुंचकर परिवारों को संतुलित आहार, स्वच्छता, टीकाकरण तथा पोषण के प्रति जागरूक करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की नियमित निगरानी कर उनके स्वास्थ्य में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। आंगनबाड़ी केंद्र केवल योजनाओं के क्रियान्वयन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन का केंद्र हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास, मातृ स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने में इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दौरान उन्होंने कहा कि आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने कार्यों को केवल सरकारी जिम्मेदारी न मानें, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्व और सेवा भाव के साथ कार्य करें। जरूरतमंद परिवारों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण उपलब्ध कराने का प्रयास करना सबसे बड़ा पुण्य है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करे, तो जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार होगा। आयोजित बैठक में गाडरवारा एसडीएम श्रीमती प्रगति वर्मा, सीएमएचओ डॉ. मनीष मिश्रा, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग राधेश्याम वर्मा सहित स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग का मैदानी अमला मौजूद था।

कौशल प्रदर्शनी में नवाचारों की देखने मिली चमक तो आईटी एवं आईटीईएस विद्यार्थियों के मॉडलों ने बटोरी वाहवाही

हरिभूमि न्यूज/चीचली। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर विकास खंड चीचली के उत्कृष्ट विद्यालय चीचली में आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक एंड हार्डवेयर विषय के विद्यार्थियों द्वारा तकनीकी नवाचारों पर आधारित मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीक, डिजिटल समाधान तथा रोजगार परक कौशल से जुड़े अनेक आकर्षक एवं उपयोगी मॉडल प्रस्तुत कर अपनी रचनात्मकता, तकनीकी दक्षता और नवाचार क्षमता का उत्कृष्ट परिचय दिया। प्रदर्शनी का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य भूपेश ठाकुर एवं व्यावसायिक शिक्षा प्रभारी सत्यम ताम्रकार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न मॉडल जैसे स्मार्ट सिटी मॉडल, स्मार्ट होम ऑटोमेशन सिस्टम, डिजिटल बैंकिंग सिस्टम, साइबर सुरक्षा मॉडल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित समाधान, रोबोटिक आर्म, स्मार्ट ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम, ई-गवर्नेंस मॉडल, क्लाउड कंप्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ऑन लाइन शिक्षा प्रणाली, डिजिटल हेल्थकेयर सिस्टम, बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम, सोलर स्मार्ट एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम तथा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यार्थियों ने प्रत्येक मॉडल की कार्यप्रणाली, उपयोगिता एवं समाज में उसकी आवश्यकता को सरल एवं प्रभावशाली ढंग से समझाया। उन्होंने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी केवल कंप्यूटर तक सीमित नहीं है, बल्कि आज शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, बैंकिंग, प्रशासन तथा दैनिक जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय की व्यवसायिक शिक्षक मोहम्मद सरफराज तथा दिनेश गर्ग ने कहा कि वर्तमान समय कौशल आधारित शिक्षा का है। केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि तकनीकी ज्ञान, डिजिटल दक्षता, समस्या समाधान क्षमता और नवाचार की सोच ही युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करती है। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मॉडल इस बात का प्रमाण हैं कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी भी अवसर मिलने पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। प्रदर्शनी के दौरान शिक्षकों एवं अभिभावकों ने भी विद्यार्थियों के मॉडलों का अवलोकन किया तथा उनके तकनीकी ज्ञान और प्रस्तुतीकरण की सराहना की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया तथा आत्मनिर्भर भारत अभियान से जुड़कर अपने कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, तकनीकी कौशल, आत्मविश्वास एवं नवाचार की भावना को नई दिशा देंगे तथा उन्हें भविष्य में रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेंगे।

पर्यावरण की रक्षा के नाम पर मात्र दिखावा तक सीमित रहना साबित हो रही धन की बर्बादी..

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। हर साल देखा जाता है कि जब बारिश का दौर शुरू होता है तो जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये पंचायतों से लेकर शासकीय कार्योलयों को पौधा रोपित करने का आदेश दिया जाता है। इस आदेश के परिपालन में विभाग के अधिकारियों द्वारा पौधा रोपण करने के आयोजन करने के नाम पर शासकीय राशि की होली खेलते हुये वाही वाही लूटने के साथ साथ अखबारों की सुर्खिया बनने से नही चूकते है। मगर यदि इन पौधा रोपण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यह सिर्फ औपचारकिता पूर्ण बन चुकी है। क्योंकि बीते हुये वर्षो में रोपे गये पौधे कहा गायब हो गये इस सच्चाई का पता न तो आदेश देने वाले अधिकारियों द्वारा किया जाता है और न ही पौधा रोपित करते हुये फोटो में दिखाई देने वाले महानुभव द्वारा जिसका परिणाम है कि पर्यावरण रक्षा का संदेश सिर्फ अखबारों तक सीमित होकर रहने से पर्यावरण की रक्षा पर सफलता पाना मुश्किल बन चुका है..? राष्टीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना के तहत क्षेत्रवासियों की उम्मीद थी कि इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे लगाए जा रहे पेड़ों से क्षेत्र हरित जिले मे स्थान पा सकेगा। लेकिन आलम यह है कि लगाए गए पेड़ तों गायब ही है साथ ही उनके लिए बने प्लेट फार्म भी लगभग गायब होते जा रहे है। इस सच्चाई को देखते हुये क्षेत्रवासियों का यह समना ग्राम पंचायतों के पिछली पंचवर्षीय के दौरान सरपंच, सचिवों एवं योजना को लागू करने वाले अधिकारी एवं उपयांत्रियों की मनमानी की भेंट चढ़ गया है? जानकारी के अनुसार क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में वर्तमान समय तक बमुश्किल 20 प्रतिशत भी पेड़ सुरक्षित नही मिल पायेगे...? अधिकतर ग्राम पंचायतों का हाल यह है कि लगभग सारे पेड़ सूख चुके है और उनके लिए बनाए गए प्लेट फार्म टूटकर विखरने लगे है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायतों मे ग्रामीणों को काम देने और हरियाली बढ़ानें के उद्देश्य से बड़ी संख्या मे पेड़ लगाए गए थे, जिसके लिए करोड़ो रूपये का बजट खर्च किया गया है। वही इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे वृक्षारोपण, वृक्षों की सुरक्षा एवं सिंचाई पर लगभग लाखो रूपये की राशि खर्च की जा चुकी है, लेकिन इस खर्च का कोई मतलब नही दिखाई दे रहा है? बीते हुए वर्षो में इस योजना के अंतर्गत तहसील के लगभग प्रत्येक ग्राम पंचायतों मे पौधें लगाने के लिए राशि उपलब्ध कराई गई थी। वही ट्री गार्ड के निर्माण कार्यो में अनेकों ग्राम पंचायतो मे जो गफलत बाजी बरती गई है जिसका जीता जागता उदाहरण जनपद पंचायत चीचली, सांईखेड़ा व चावरपाठा की अनेक ग्राम पंचायत में आसानी से देखने मिल सकता है जहां पर बीते हुये पांच वर्षो के कार्यकाल के दौरान जहां हरित क्रांति के नाम पर लाखो रूपया खर्च होने के बाद भी हरियाली कोसो दूर तक नजर नही आ रही है? इस सब में हैरत की बात तो यह है कि क्षेत्र के आला अधिकारी भी इस विषय की जानकारी रखते हुये भी इस ओर कड़े कदम उठाने की बजाय चुप्पी साधें हुये है? यह ग्राम पंचायतों के माध्यम से बीते हुये पांच वर्ष के कार्यकाल में पौधा रोपण के नाम पर जो राशि खर्च की गई है उसकी निष्ठा के साथ जांच की जावे तो निश्चित ही अनेक पंचायतों के सरपंचों की सच्चाई उभरकर सामने आने से नही बच पायेगी?

बगदरा स्कूल में छात्र छात्राओं का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। चल रही बारिश के मौसम में बच्चों को अनेक प्रकार की बीमारियां लगने से नही चूकती है। इस बात को ध्यान में रखते हुये शासन सहित शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। इसी के चलते बीते हुये दिवस स्वास्थ्य विभाग से डॉ. नीरज गुप्ता ने ग्राम बगदरा की शासकीय माध्यमिक शाला में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत छात्र/छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान उन्होने बच्चों का वजन, ऊंचाई, हृदय की धड़कन, रक्त का स्तर सहित पेट से संबंधित बीमारी, आंखों की जांच, त्वचा संबंधी बीमारी सहित अन्य मौसमी बीमारियों का परीक्षण किया गया। बताया जाता है कि इस दौरान उन्होने स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर दवा प्रदान की गई। एक छात्र को फिट आने की समस्या की पहचान कर शासकीय जिला चिकित्सालय में जांच के लिए कार्ड बनाया। इस मौके पर छात्र के पिता को बुलाकर समझाइश दी गई। एवं आगे स्वास्थ्य परीक्षण करवाने के लिए बोला गया। कुछ छात्र छात्राओं में रक्त की कमी बताई गई जिसमें आयरन फोलिक एसिड की टेबलेट दी गई जिसको प्रति दिन भोजन पश्चात खाना हैं। स्वास्थ्य परीक्षण के अवसर शाला के शिक्षक राजेन्द्र गुप्ता एवं अतिथि शिक्षक शुभम खरे उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने किया पौधरोपण

डिंडौरी। मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने गुरुवार को डिंडौरी जिले के करंजिया विकासखंड के ग्राम कबीर चबूतरा स्थित करमण्डल नदी के उद्गम स्थल पहुंचकर दर्शन एवं पूजन किया। इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री के आह्वान पर संचालित 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।इस अवसर पर मंत्री श्री पटेल ने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन का आधार हैं। पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना तथा उनकी देखभाल करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से पौधरोपण को जनआंदोलन बनाने और लगाए गए प्रत्येक पौधे के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।कार्यक्रम में शहपुरा विधायक श्री ओमप्रकाश धुर्वे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दिव्यांशु चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बेटी के घर जा रही वृद्धा की सड़क हादसे में मौत

डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र के अमरकंटक रोड स्थित घानाघाट में बुधवार शाम करीब 7:30 बजे तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक वृद्ध महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया, लेकिन ग्रामीणों ने पीछा कर उसे समनापुर तिराहा के पास पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।पुलिस के अनुसार धनुवासागर निवासी 65 वर्षीय मीराबाई, पति स्वर्गीय झल्लू सिंह, अपनी बेटी के ससुराल जाने के लिए निकली थीं। घानाघाट के पास सड़क पार करते समय अमरकंटक की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद चालक बिना रुके कार लेकर भाग निकला। घटना के प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीणों ने तत्काल उसका पीछा किया और समनापुर तिराहा के पास वाहन को रोक लिया। इसके बाद चालक और कार को कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया गया।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा कार्रवाई पूरी की। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने वाहन और चालक को हिरासत में लेकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों की भी जांच की जा रही है।हादसे के बाद मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। धनुवासागर गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने अमरकंटक मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण और लापरवाही से वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि इस मार्ग पर लगातार बढ़ती तेज रफ्तार के कारण सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ रही है।पुलिस ने वाहन चालकों से निर्धारित गति सीमा का पालन करने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने की अपील की है, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

करमण्डल, सिवनी और चकरार नदी के उद्गम स्थलों पर किया पूजन

नदी उद्गम स्थलों का संरक्षण प्रकृति और भविष्य की रक्षा का संकल्प: मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल

डिंडौरी। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने गुरुवार को जिले के करंजिया विकासखंड क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम कबीर चबूतरा स्थित करमण्डल नदी, ग्राम बरथना स्थित सिवनी नदी तथा वनग्राम ठाड़पथरा स्थित चकरार नदी के उद्गम स्थलों पर पहुंचकर पूजन-अर्चन किया। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।मंत्री श्री पटेल ने कहा कि नदी उद्गम स्थलों का संरक्षण प्रकृति और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए आवश्यक है। क्षेत्र की छोटी-छोटी नदियां मां नर्मदा को समृद्ध बनाती हैं। जल, जंगल और जमीन का संरक्षण बैगा समाज की पारंपरिक जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से पर्यावरण संरक्षण, पौधरोपण और नशामुक्ति को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। वनग्राम ठाड़पथरा में मंत्री श्री पटेल ने बैगा जनजाति के ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने समाज के बुजुर्गों का तिलक लगाकर सम्मान किया और उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने पेयजल संकट की समस्या से अवगत कराया, जिस पर मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बैगा सहित सभी विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।दौरे के दौरान मंत्री ने ग्राम पंडरीपानी स्थित रानी दुर्गावती कन्या

आश्रम का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्राओं से संवाद कर उन्हें शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं के साथ बैठकर मध्यान्ह भोजन भी किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और संस्कार ही जनजातीय समाज के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं। मंत्री श्री पटेल ने वनमंडल डिंडौरी के अंतर्गत गोरखपुर में 40 हेक्टेयर वन क्षेत्र में किए जा रहे 20 हजार मिश्रित पौधों के रोपण कार्य का भी निरीक्षण किया। वनमंडल अधिकारी अशोक कुमार सोलंकी की उपस्थिति में उन्होंने पौधरोपण कर कार्य की प्रगति और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि डिंडौरी जिला लगातार विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को मिल रहे लाभ की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से नदी, तालाब और जल स्त्रोतों के संरक्षण से जलस्तर में वृद्धि होगी तथा पर्यावरण संतुलन मजबूत होगा।

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि जल, जंगल और जमीन का संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों से जल संरक्षण, पौधरोपण और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने बताया कि जनसहयोग के कारण जल गंगा संवर्धन अभियान में डिंडौरी जिले ने देश में तीसरा और प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक आशीष खरे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी, जिला भाजपा अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, समाजसेवी नरेंद्र राजपूत, जनपद अध्यक्ष राजू उइके सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में बैगा जनजाति के ग्रामीण उपस्थित रहे।

पत्रकारों और नागरिकों के स्कूल प्रवेश पर रोक का फरमान डिंडौरी बीईओ के विवादित संदेश से मचा बवाल

संकुल ग्रुप में जारी निर्देश पर उठे सवाल, पारदर्शिता और जवाबदेही पर खड़े हुए प्रश्न

डिंडौरी। जनजाति कार्य विभाग के अंतर्गत संचालित शासकीय विद्यालयों की बदहाल स्थिति एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। इस बार वजह स्कूलों की जर्जर व्यवस्था नहीं, बल्कि डिंडौरी में पदस्थ विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) द्वारा संकुल समूह में जारी किया गया एक कथित विवादित संदेश है। इस संदेश में कथित तौर पर पत्रकारों एवं अन्य नागरिकों को विद्यालय परिसर में प्रवेश नहीं देने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके बाद आमजन, अभिभावकों और सामाजिक संगठनों में नाराजगी देखने को मिल रही है। जिले में लंबे समय से जनजाति कार्य विभाग के कई विद्यालय मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं। कहीं स्कूल भवन ही नहीं हैं तो कहीं जर्जर भवनों में बच्चों की कक्षाएं संचालित हो रही हैं। कई विद्यालयों में रंगमंच, किचन शेड अथवा अस्थायी कमरों में बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। इसके अलावा शिक्षकों की अनुपस्थिति, समय पर स्कूल नहीं पहुंचना और शैक्षणिक गतिविधियों में लापरवाही जैसे मामले भी समय-समय पर सामने आते रहे हैं।इसी बीच बीईओ द्वारा जारी कथित निर्देश ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि संकुल स्तर के व्हाट्सएप समूह में भेजे गए संदेश में पत्रकारों और अन्य नागरिकों को विद्यालय में प्रवेश नहीं देने के निर्देश दिए गए

हैं। यह संदेश सामने आने के बाद लोगों ने इसे पारदर्शिता और जवाबदेही के विपरीत बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई है।

जागरूक नागरिकों का कहना है कि विद्यालय केवल सरकारी भवन नहीं, बल्कि देश के भविष्य के निर्माण के केंद्र हैं। ऐसे में विद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियों, व्यवस्थाओं और शिक्षकों की कार्यप्रणाली पर अभिभावकों एवं समाज की निगरानी स्वाभाविक और आवश्यक है। उनका आरोप है कि यदि विद्यालयों में सब कुछ नियमानुसार संचालित हो रहा है तो पत्रकारों और नागरिकों के प्रवेश पर रोक लगाने की आवश्यकता ही क्यों पड़ रही है। लोगों का यह भी कहना है कि शासन स्वयं अपनी योजनाओं, उपलब्धियों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार मीडिया के माध्यम से करता है तथा प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने की बात कहता है। ऐसे में यदि कोई जिम्मेदार अधिकारी पत्रकारों और आम नागरिकों को विद्यालयों से दूर रखने के निर्देश देता है तो यह शासन की मंशा के विपरीत माना जाएगा।

बीईओ द्वारा संकुल स्तरीय व्हाट्सएप ग्रुप में प्रसारित संदेश..

समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी, समस्त बी आर सी एवं समस्त संस्था प्रमुख कृपया ध्यान दें किसी भी पत्रकार या किसी भी व्यक्ति को स्कूल के अंदर न आने दें किसी को भी फोटो या वीडियो न बनाने दे और न विद्यालय से संबंधित न्यूज दें। यदि किसी भी विद्यालय की जानकारी फोटो या वीडियो वाइरल होता है। तो इसकी जिम्मेदारी आपकी होगी।किसी को भी बेवजह कहीं भी कैमरा लेकर न तो वीडियो बनाने दें, न ही कोई बाईट दें। और न ही ऐसी नौबत आने दें। यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न होती हैं तो संस्था प्रमुख स्वयं जिम्मेदार होगा।

हाई स्कूल मुडकी में गुरु पूर्णिमा पर गुरुजनों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। शासकीय हाई स्कूल मुडकी में गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के समापन अवसर पर बुधवार को श्रद्धा एवं उत्साह के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार 15 से 29 जुलाई तक चले आयोजन के समापन समारोह में गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय संस्कृति और गुरु के महत्व पर आधारित विविध गतिविधियां संपन्न हुईं।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त शिक्षिका श्रीमती लीला सैयाम रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्र सेविका समिति की जिला कार्यवाहक श्रीमती अनामिका शर्मा तथा नगर प्रचारक प्रमुख श्रीमती रश्मि तिवारी उपस्थित रहीं।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। इस अवसर पर शाला परिवार ने मुख्य अतिथि श्रीमती लीला सैयाम का शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया।अपने संबोधन में श्रीमती अनामिका शर्मा ने महर्षि सांदीपनि के जीवन और गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से भारतीय संस्कृति और संस्कारों को अपनाने का आह्वान किया। विद्यार्थियों ने गुरु पूर्णिमा की महत्ता पर भाषण, गीत, संस्कृत श्लोक एवं आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनों का मन मोह लिया।कार्यक्रम का संचालन शिक्षक दिनेश निरिया ने किया। अंत में प्राचार्य सुनीता नामदेव ने अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।समारोह में लक्ष्मी सैयाम, शकील मंसूरी, माया धुर्वे, सोनाली पांडे, भूपेंद्र सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वनांचल की रसोइया ने पाक कला का शानदार प्रदर्शन कर पाया प्रथम स्थान

अमरपुर। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण कार्यक्रम परिषद, भोपाल के निर्देशानुसार तथा जिला पंचायत डिंडौरी के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत अमरपुर द्वारा प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद स्तरीय कुक-कम-हेल्पर कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन ग्रामीण आजीविका मिशन अमदरी के सभागार में किया गया।प्रतियोगिता में जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्र के 30 स्व-सहायता समूहों की रसोइयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपने घरों से तैयार कर लाए मोटे अनाज से बने स्वादिष्ट एवं पौष्टिक व्यंजनों का प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता में वनांचल क्षेत्र स्थित एकीकृत माध्यमिक शाला सारंगगढ़ की रसोइया रामवती यादव ने मोटे अनाज सहित कुल 27 प्रकार के व्यंजन प्रस्तुत कर अपनी उत्कृष्ट पाक कला का प्रदर्शन किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उन्हें विकासखंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। उन्हें 5 हजार रुपये की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि से ग्राम सारंगगढ़ का गौरव बढ़ा है।प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान पर यशोदा बर्मन (किसलपुरी) एवं सुमरिन बाई धूमकेती रहीं, जबकि तृतीय स्थान राजेश्वरी मसराम (खम्हरिया) एवं किरण धुर्वे (छपरी) ने प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त तीन अन्य रसोइयों को सांत्वना पुरस्कार स्वरूप एक-एक हजार रुपये की राशि प्रदान की गई। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्रों का वितरण जनपद अध्यक्ष हन्नू सिंह पट्टा, जनपद सदस्य मालती तिवारी, कृष्णकुमारी बरोतिया, रामकिशोर ठाकुर तथा विकासखंड अकादमिक समन्वयक देवेंद्र दीक्षित के हाथों किया गया। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया गया।

एकीकृत माध्यमिक विद्यालय जोगीग्वारा में श्रद्धा व उत्साह से मनाई गई गुरु पूर्णिमा

हरिभूमि न्यूज करंजिया। मध्यप्रदेश शासन एवं कलेक्टर कार्यालय के जनजातीय कार्य विभाग के निर्देशानुसार विकासखंड करंजिया स्थित एकीकृत माध्यमिक विद्यालय जोगीग्वारा में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरु की महिमा का गुणगान करते हुए गुरु-शिष्य परंपरा का सम्मान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था प्रमुख रामकुमार गर्ग ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन कर किया। इसके बाद विद्यालय की बाल कैबिनेट के प्रधानमंत्री इशांत पेन्दो तथा उपप्रधानमंत्री केशमा बंजारा ने आचार्य संदीपनी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर गुरुजनों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। संस्था प्रमुख श्री गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। उन्होंने आचार्य चाणक्य और चंद्रगुप्त मौर्य का उदाहरण देते हुए बताया कि गुरु के मार्गदर्शन से

साधारण व्यक्ति भी असाधारण उपलब्धियां हासिल कर सकता है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के गुरु संदीपनी तथा भगवान श्रीराम के गुरु वशिष्ठ का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से गुरुजनों के प्रति सम्मान, अनुशासन और समर्पण की भावना बनाए रखने का आह्वान किया।इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना, गुरु महिमा पर आधारित गीत तथा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनों का मन मोह लिया और पूरे विद्यालय परिसर में श्रद्धा एवं भक्ति का वातावरण बना रहा।कार्यक्रम के समापन पर छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें खीर, पूरी और सब्जी का प्रसाद वितरित किया गया। समारोह में विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पुराने कुएं को नया बताकर निकाले 2 लाख, जांच में गबन साबित

डिंडौरी। समनापुर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत कोकोमेटा के भरी टोला में पुराने कुएं को नया निर्माण दर्शाकर करीब दो लाख रुपए का भुगतान किए जाने का मामला जांच में सही पाया गया है। जांच समिति ने इसे शासकीय राशि का गबन और गंभीर वित्तीय अनियमितता मानते हुए सरपंच और सचिव से एक-एक लाख रुपए की वसूली तथा दोनों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की है।समाचार प्रकाशित होने के बाद जनपद पंचायत समनापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने मामले की जांच कराई। विकासखंड पंचायत अधिकारी, सहायक वित्त अधिकारी और उपयंत्री की संयुक्त टीम ने मौके का निरीक्षण किया, पंचनामा तैयार किया, ग्रामीणों के बयान दर्ज किए और संबंधित दस्तावेजों की जांच की।जांच में सामने आया कि जिस कुएं को नवीन निर्माण बताकर करीब दो लाख रुपए का भुगतान किया गया, वह लगभग 50 वर्ष पुराना है। ग्रामीणों ने बताया कि यहां नया कुआं नहीं बनाया गया, बल्कि केवल सीमित मरम्मत और जगत निर्माण का कार्य हुआ था।

सरपंच-सचिव से एक-एक लाख की वसूली, दोनों पर कार्रवाई की अनुशंसा

निरीक्षण के दौरान कुएं में करीब पांच फीट गाद मिली, जिससे हाल में निर्माण होने के दावे पर भी सवाल खड़े हो गए। वर्तमान सरपंच रामकिशन धुर्वे और सचिव प्रह्लाद सिंह ठाकुर ने भी जांच समिति के समक्ष स्वीकार किया कि नया कुआं नहीं बनाया गया था। उन्होंने बताया कि पूर्व में कराए गए जीर्णोद्धार कार्य के भुगतान विवाद के कारण बाद में नवीन तकनीकी स्वीकृति (टीएस) बनाकर भुगतान किया गया। वहीं तत्कालीन सचिव ने भी वर्ष 2022 में जीर्णोद्धार कार्य कराए जाने की जानकारी दी।जांच समिति को कथित जीर्णोद्धार से संबंधित तकनीकी स्वीकृति, पुरानी नस्ती, सक्षम अधिकारी की अनुमति और अन्य आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए। ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के भुगतान रिकॉर्ड और स्थल निरीक्षण में भी नए निर्माण का कोई प्रमाण नहीं मिला।रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि जीर्णोद्धार कार्य का भुगतान लंबित भी था, तब भी निर्धारित शासकीय प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। सामग्री आपूर्ति, भुगतान संबंधी अभिलेख और अन्य जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके, जिससे पूरी प्रक्रिया संदेहास्पद पाई गई।जांच समिति ने अपनी अंतिम रिपोर्ट में स्पष्ट कहा है कि नए कुएं के निर्माण के नाम पर दो लाख रुपए का आहरण शासकीय राशि का गबन है। समिति ने सरपंच रामकिशन धुर्वे और सचिव प्रह्लाद सिंह ठाकुर से एक-एक लाख रुपए की वसूली करने तथा दोनों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की अनुशंसा की है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शुक्रवार 31 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

चोरी के मामले का पुलिस ने किया खुलासा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शादी समारोह में गए एक परिवार के सूने मकान में हुई चोरी की घटना का स्टेशनगंज पुलिस ने खुलासा करते हुए पड़ोस में रहने वाले दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से चोरी गया लगभग 5 लाख रुपये मूल्य का मशरूका बरामद कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार, सिंहपुर के ढीमर मोहल्ला निवासी दुर्गेश रैकवार अपने परिवार के साथ गोटेगांव में एक विवाह समारोह में शामिल होने गए थे। घर बंद था, परंतु लौटकर देखने पर मकान के पीछे लगी जाली कटी मिली और पेटी में रखे सोने-चांदी के जेवरात तथा नगदी गायब थे। पीड़ति की रिपोर्ट पर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर विवेचना शुरू की गई। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने घर के सामने रहने वाले दो सगे भाइयों सौरभ ठाकुर उम्र 24 वर्ष और वैभव उर्फ छोटू ठाकुर उम्र 20 वर्ष को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कड़ाई से पूछताछ करने पर दोनों ने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपियों ने चोरी का माल ठिकाने लगाने के लिए एक सोने का हार फाइनेंस कंपनी में गिरवी रख दिया था, जबकि सोने के

कंगन, चांदी की पायल और करधन एक सराफा व्यापारी को बेच दिए थे। इसके अलावा एक सोने की चैन आरोपी द्वारा अपनी परिचित महिला को उपहार में देने की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने का हार, चैन, कंगन, चांदी की पायल, करधन और नगदी सहित लगभग 5 लाख रुपये का माल बरामद कर लिया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है, वहीं मामले में संलिप्त फरार सराफा व्यापारी की तलाश जारी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी स्टेशनगंज सौरभ पटेल, चौकी प्रभारी सिंहपुर संजय सूर्यवंशी, आरक्षक इमरत, योगेंद्र, सैनिक देवेश व रूपेश की सराहनीय भूमिका रही।

आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक में दिए निर्देश

प्राकृतिक खेती के विस्तार पर करें विशेष फोकसः कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आत्मा (एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एजेंसी) गवर्निंग बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि एवं संबद्ध विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राकृतिक खेती के रकबे में निरंतर वृद्धि के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए तथा किसानों को व्यवहारिक प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल एक वैकल्पिक कृषि पद्धति नहीं, बल्कि मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने, उत्पादन लागत कम करने, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है।

किसान संगोष्ठियों का हो नियमित आयोजन

जिले में अधिक से अधिक किसानों को

प्राकृतिक खेती से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक विकासखंड स्तर पर प्राकृतिक खेती विषयक कार्यशालाओं, प्रशिक्षण शिविरों और किसान संगोष्ठियों का नियमित आयोजन किया जाए। इन कार्यक्रमों में कृषि वैज्ञानिकों, कृषि विशेषज्ञों एवं सफल प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को आमंत्रित कर उनके अनुभव साझा कराए जाएं, ताकि अन्य किसान भी प्रेरित होकर इस पद्धति को अपनाएं। कलेक्टर ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों में प्राकृतिक खेती को प्रमुखता से शामिल किया जाए। कार्यक्रमों में कृषि वैज्ञानिकों के साथ-साथ प्राकृतिक खेती कर रहे प्रगतिशील किसानों एवं कृषि सखियों को भी अपने अनुभव साझा करने का अवसर दिया जाए।

सफल मॉडल तैयार करने के निर्देश

किसानों के वास्तविक अनुभव और सफलता की कहानियां अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगी तथा प्राकृतिक खेती के प्रति उनका विश्वास और अधिक मजबूत होगा। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत शामिल की जा रही खरीफ एवं रबी फसलों का विस्तृत डाटा तैयार किया जाए। यह भी दर्ज किया जाए कि प्राकृतिक खेती अपनाने के बाद किस फसल में कितना उत्पादन हुआ, उत्पादन में कितनी वृद्धि हुई, लागत में कितनी कमी आई तथा किसानों को आर्थिक रूप से कितना लाभ मिला। इन आंकड़ों के आधार पर जिले के सफल मॉडल तैयार किए जाएं और उनका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग किसानों के साथ नियमित संवाद स्थापित करे तथा खेत स्तर पर तकनीकी सहायता उपलब्ध कराए।

संसाधनों का बेहतर उपयोग

प्राकृतिक खेती से जुड़े नवाचारों, आधुनिक तकनीकों और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग के बारे में किसानों को समय-समय पर जानकारी दी जाए। साथ ही विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक समय-सीमा में पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में आत्मा परियोजना के अंतर्गत संचालित किसान प्रशिक्षण, कृषक भ्रमण, प्रदर्शन, फसल विविधीकरण, कृषि यंत्रीकरण, उद्यानिकी विकास तथा अन्य विभागीय गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में उप संचालक कृषि आरपी झारिया, परियोजना संचालक आत्मा, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक, आत्मा गवर्निंग बोर्ड के सदस्य एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पंजीयन की अंतिम तिथि आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन के संबंध में जिले के किसान भाइयों को सलाह दी गई है कि उपार्जन का कार्य एक जुलाई से 10 अगस्त 2026 तक संचालित किया जा रहा है। इसके लिए स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित है। किसानों से आग्रह किया गया है कि वे निर्धारित समय सीमा में स्लॉट बुकिंग अवश्य करा लें। स्लॉट बुकिंग के उपरांत भी किसान अपनी सुविधा अनुसार 10 अगस्त 2026 तक किसी भी निर्धारित उपार्जन केंद्र पर अपनी उपज का विक्रय कर सकते हैं।

ट्रेन से कटकर मां-बेटी की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र स्टेशनगंज अंतर्गत रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक नवविवाहिता और उसकी तीन वर्षीय मासूम पुत्री की मौत हो गई। डाउन रेलवे ट्रैक पर दोनों के शव बरामद किए गए। घटना की सूचना ज्ञानगंगा एक्सप्रेस के लोको पायलट द्वारा रेलवे स्टेशन को दी गई थी। मृतिकाओं की पहचान कपूरी गांव निवासी प्राची जाट उम्र 25 वर्ष और उसकी पुत्री प्रनीषा उम्र 3 वर्ष के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही स्टेशनगंज थाना पुलिस और स्वजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शवों का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

नई उड़ान कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस नयाखेड़ा शासकीय हाई स्कूल नयाखेड़ा में राज राधा स्वयंसेवी संस्था के द्वारा नई उड़ान कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य बालको से उनके लक्ष्य एवं लक्ष्य प्राप्ति के तरीकों पर बात करना था विशेष रूप से अवसाद या तनाव मैनेजमेंट किस प्रकार किया जाए इस पर चर्चा की गई बच्चों ने बहुत ही उत्साह से चर्चा में हिस्सा लिया राज राधा की मार्गदर्शिका श्रीमती संध्या कोठारी ने बच्चों से विस्तार पूर्वक बात की जिसमें उन्होंने लक्ष्य निर्धारण समर्पण भाव से मेहनत साथ ही लक्ष्य निर्धारण में लचीलापन किस प्रकार से रखा जाए और उससे क्या फायदे होते हैं इस विषय पर चर्चा की गई बच्चों ने अपने जीवन के उद्देश्य के बारे में खुलकर चर्चा की तथा प्रश्नोत्तर काल में खूब प्रश्न पूछे कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती विनीता पांडे तथा अन्य शिक्षक गण उपस्थित रहे राज राधा की ओर से जितेन्द्र राजपूत पंकज सोनी प्रतिभा मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

सांदीपनि विद्यालय में गुरु-शिष्य प्रेरक संवाद का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सांदीपनि विद्यालय में गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विविध कार्यक्रमों का समापन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर गुरु-शिष्य प्रेरक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विकासखंड शिक्षा अधिकारी बृजेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं समापन समारोह में सहायक संचालक एएस मसराम ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। बृजेश शर्मा ने गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता को रेखांकित करते हुए अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन और उनके पुत्र से जुड़े प्रसिद्ध प्रसंग का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि एक आदर्श गुरु विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। श्री शर्मा ने छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अनुशासन, परिश्रम और संस्कारों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। वरिष्ठ शिक्षक प्रभात सिंह राजपूत ने विद्यार्थियों को गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व से अवगत कराते हुए श्रद्धा, विश्वास और अभ्यास को जीवन में सफलता का मूल मंत्र बताया। संस्था के प्राचार्य प्रभात मिश्रा ने विद्यार्थियों को गुरु के मार्गदर्शन का अनुसरण करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि सफलता गुरु द्वारा बताए गए आदर्शों को अपनाने पर निर्भर करती है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार द्वारा मुख्य अतिथियों का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

सुरक्षा गार्ड की नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी, कलेक्टर से की शिकायत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। फेसबुक पर सुरक्षा गार्ड भर्ती का विज्ञापन देकर देवास की एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा स्थानीय युवाओं से सिक्योरिटी मनी के नाम पर कुल 9 हजार रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ति युवकों ने जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन सौंपकर कंपनी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। हनुमान वार्ड करेली निवासी जय राजपूत, राजेश रैकवार एवं पलास पाटकर द्वारा दिए गए शिकायत पत्र के अनुसार, उन्होंने इमेजिनरी इनोवेटिव मैनेजमेंट एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के देवास स्थित पते पर आवेदन किया था। जून माह में देवास जाकर दस्तावेज जमा करने के दौरान कंपनी मैनेजर ने सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी के लिए प्रति व्यक्ति 3 हजार रुपये सिक्योरिटी फीस मांगी, जिस पर आवेदकों ने कुल 9 हजार रुपये जमा करा दिए। आरोप है कि मैनेजर ने 15 दिनों में जॉइनिंग लेटर डाक द्वारा भेजने तथा सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी पर 18 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन देने का आश्वासन दिया था। हालांकि निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बाद भी न तो जॉइनिंग लेटर भेजा गया और न ही कंपनी के दिए गए मोबाइल नंबर पर कोई संपर्क हो पा रहा है। पीड़तों ने धोखाधड़ीपूर्वक ली गई राशि वापस दिलाने तथा उक्त फर्जी कंपनी पर वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है।

मलखम्ब प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सत्र 2026-27 की जिला स्तरीय शालेय मलखम्ब प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय पीएमश्री बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गाडरवारा में किया गया। इस प्रतियोगिता में अंडर 14, 17 एवं 19 आयु वर्ग के छात्र- छात्राओं ने सहभागिता करते हुए अपने जौहर दिखाए। प्रतियोगिता उपरांत जिला स्तरीय स्पर्धाओ हेतु छात्र- छात्राओं का चयन उनके बेहतर खेल के आधार पर किया गया। उक्त प्रतियोगिता जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी अनुज जैन, संस्था की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती पुष्पा बरहैया, केके राजोरिया, व्यायाम शिक्षक विक्रम शर्मा, अजय सोनी, मधुसूदन पटैल, शकुंतला मांझी, मनीष कोष्टी उपस्थित रहे।

गुरु का अस्तित्व ही शिष्यों के कल्याण के लिए है..प्राण और गुरु में कोई अंतर नहीं-श्री स्वामीजी..

करेली। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर हीरापुर वाले स्वामी जी महाराज के धाम स्कंद आश्रम नैमिषारण्य में गुरु वंदना हेतु स्थानीय जनों के साथ राजराजेश्वरी भक्त मंडल के सदस्यों ने पहुंचकर पादुका पूजन कर गुरुवार के चरण राज प्राप्त की इस अवसर पर परम पूज्य सद्गुरुदेव श्री स्वामी जी महाराज हीरापुर वाले श्री गुरु चरणों की महिमा बताते हुए कहते हैं कि उनके प्राण और गुरु में कोई अंतर नहीं है। वे कहते हैं कि गुरु तत्व देह रूप में भी अपने शिष्यों का कल्याण करते हैं और देह त्यागने के बाद भी सूक्ष्म रूप में शिष्यों का कल्याण करते हैं। गुरु का अस्तित्व ही शिष्यों के कल्याण के लिए है।

धरती पर गुरु ही भगवान का रूप हैं।

श्री सद्गुरु यानि आषाढ़ के मेघ, जिनके आशीषों की वर्षा हो रही है। भगवत स्वरुप, गोस्वामी तुलसीदास जी ने श्रीरामचरितमानस में गुरु की महिमा का बखान करते हुए कहा है कि ₹बंदऊ गुरु पद कंज, कृपा सिंधु नर रूप हरि₹ शिष्यों के लिए धरती पर गुरु ही भगवान का रूप हैं। एक और भजन की पंक्तियां गुरु तत्व की महिमा का विलक्षण गुणगान करती हैं, ₹कोई शिष्य गुरु चरणों में जब शीश झुकाता है, परमात्मा खुद आकर आशीष लुटाता है₹।

बरस रहा गुरुजनों का आशीर्वाद

मां नर्मदा के आशीष से अभिसिंचित नर्मदांचल क्षेत्र सामर्थ्यवान तपस्वी संतो के सानिध्य व आशीष से समृद्ध है। गुरुजनों का आशीर्वाद शिष्यों पर अनन्य भाव से बरस रहा है। बुधवार 29 जुलाई को पावन पर्व गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्री राजराजेश्वरी भक्त परिवार के बंधु गुरु चरण पादुका पूजन कर पर्व के अवसर पर गुरु चरणों की वंदना की गई। मां श्री श्री राजराजेश्वरी एवं मां श्री श्री रेवा के परम साधक, नर्मदापुत्र, तपोनिष्ठ संत प्रवर श्री श्री श्री हीरापुर वाले स्वामी जी महाराज इस वर्ष गुरु पूर्णिमा पर्व के अवसर पर स्कंदाश्रम, श्री राजराजेश्वरी मंदिर शक्तिपीठ, नैमिषारण्य धाम उप्र में विराजित रहे, जहां गुरु पूर्णिमा पर्व धूमधाम से मनाया गया।

स्कंदाश्रम में लगा भक्तों का मेला

बुधवार 29 जुलाई को शिष्यों द्वारा श्री गुरुचरण पादुका पूजन हुआ। इसके पूर्व पूज्य श्री स्वामी जी द्वारा नित्य श्री विद्या उपासना पूजन, श्री अर्चन, विशेष अनुष्ठान किया गया। तदंतर पूज्य स्वामी जी विधिवत गुरु पूजन हुई। जिसके उपरांत शिष्यों द्वारा परंपरानुसार श्री गुरु चरण पादुका पूजन किया गया। ज्ञातव्य है कि पूज्य सदगुरुदेव श्री स्वामी जी महाराज तीर्थवर, तपोभूमि नैमिषारण्य स्थित स्कंदाश्रम, श्री राजराजेश्वरी मंदिर शक्तिपीठ में क्षेत्र साधनारत हैं, जिसमें विशेष पूजन, अनुष्ठान किये गए। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर श्री गुरु चरणों की वंदना हेतु संपूर्ण दिन भक्तों का अनु व्रत डाटा लगा रहा पादुका पूजन कार्यक्रम स्कंदाश्रम, श्री राजराजेश्वरी मंदिर शक्तिपीठ नैमिषारण्य धाम में आयोजित हुआ

सांदीपनि शासकीय विद्यालय करेली में गुरु पूर्णिमा पखवाड़े का आयोजन

करेली। सांदीपनि शासकीय विद्यालय करेली में शासन से प्राप्त आदेश अनुसार दिनांक 15 जुलाई 2026 से दिनांक 29 जुलाई 2026 तक गुरु पूर्णिमा पखवाड़े का आयोजन किया गया शासन से प्राप्त कार्यक्रम के कैलेंडर के अनुसार प्रथम दिवस दिनांक 15 साल 2026 को विद्यालय की सभा कक्ष में गुरु पूर्णिमा का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया, जिसमें विद्यालय के प्राचार्य श्री लक्ष्मण सिंह जाटव द्वारा गुरु की महिमा का बखान किया गया गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत विद्यालय में विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत भाषण,निबंध,संस्कृत में श्लोक भजन, गायन इत्यादि प्रतियोगिताएं आयोजित कराई गई विद्यालय में योग अभ्यास,ध्यान, कैरियर मार्गदर्शन,प्रेरक व्याख्यान कार्यक्रमों का आयोजन किया गया एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम कराया गया, विद्यार्थियों की प्रगति पर चर्चा हेतु पेरेंट्स टीचर मीटिंग आयोजित की गई तथा स्वच्छता एवं जन जागरूकता रैली निकाली गई पखवाड़े के अंतिम दिवस में आज दिनांक 29/07 /2026 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पुरस्कार वितरण कार्यक्रम एवं समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के संपूर्ण संचालन में विद्यालय के शिक्षक योगेश गुप्ता, योगेश सोनी, पारसमणी मरेले,राजेंद्र शर्मा,आरती चौरसिया प्रीति दीक्षित माधुरी चौबे,नीलोफर अंजुम,दीप्ती नेमा,रजनी रैकवार, सुरेन्द्र तिवारी एवं समस्त शिक्षक साथियों का सहयोग रहा संस्था प्राचार्य लक्ष्मण सिंह जाटव द्वारा सभी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन नीलू उपाध्याय के द्वारा किया गया

शिशु, किशोर, कन्या भारती सभा का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता दायित्व बोध के उद्देश्य से सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नवगठित शिशु, किशोर, कन्या भारती सभा को अपने दायित्व की पूर्ति पूर्ण निष्ठा व समर्पण के साथ करने के लिए पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई उक्त शपथ ग्रहण समारोह में श्रीमती भारती कौरव क्षेत्रीय महिला सहयोगिता प्रमुख भारत विकास परिषद, श्रीमती नमिता कौरव, संस्था प्राचार्य हरि ओम शरण कोरी, प्रभारी प्रधानाचार्य तुलसीराम पाराशर, कन्या, किशोर, शिशु भारती प्रमुख श्रीमती ज्योति जोशी, खगेश स्वामी श्रीमती संगीता नामदेव की गरिमामय उपस्थिति में शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

श्रद्धा के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व

तेंदूखेड़ा। गुरु शिष्य के बीच आस्था प्रेम समर्पण का पर्व गुरु पूर्णिमा शासकीय विद्यालय डोभी में उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।शुरुआत मां सरस्वती के पूजन अर्चन के साथ हुई।संस्था में सभी शिक्षकों का बच्चों द्वारा तिलक लगाकर अभिवादन किया गया। गुरु पूर्णिमा पावन पर्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों द्वारा गुरु और शिष्य के संबंध से संबंधित जीत कहानी और कविताएं प्रस्तुत की गई वहीं कुछ छात्रों द्वारा भी अपने अंदाज में अपने गुरु की महिमा का बखान किया गया। गुरु पूर्णिमा महत्व को काफी विस्तार से समझाते हुए बताया कि वैदिक काल से गुरु और शिष्य का यह संबंध निरंतर चला आ रहा है हर व्यक्ति के जीवन में गुरु का अपना एक अलग स्थान होता है जन्म लेने के बाद मनुष्य की बचपन की प्रथम गुरु उनकी मां हुआ करती हैं।उसे शिक्षा दीक्षा ग्रहण करने के लिए विद्यालय का सहारा लेना पड़ता है। सभ्य समाज में निवास करने के लिए हमें कहीं ना कहीं अच्छे मार्गदर्शक की आवश्यकता होती है और वह मार्गदर्शन हमें गुरु ही प्रदान कर सकता है यदि हम जीवन में वास्तविक सफलता अर्जित करना चाहते हैं तो हमें अपने गुरु के बताए हुए सब मार्ग पर चलना नितांत आवश्यक है। कार्यक्रम को संस्था के शिक्षक और छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

परिश्रम ने दिलाया प्रदेश स्तर पर सम्मान

तीन वर्षों से लगातार 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम ला रहा इमझिरा का शासकीय विद्यालय

तेंदूखेड़ा। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए लगातार तीन वर्षों से हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी प्रमाण पत्र परीक्षाओं में 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इमझिरा की प्राचार्य श्रीमती सीमा मिश्रा को गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर आयोजित संदीपनी अलंकरण समारोह-2026 में प्रदेश स्तर पर सम्मानित किया गया।उज्जैन स्थित शासकीय माधव श्री विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने प्राचार्य श्रीमती सीमा मिश्रा को शाल श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। यह सम्मान विद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। इस उपलब्धि के पीछे विद्यालय के समर्पित शिक्षकों का अथक परिश्रम एवं टीम भावना रही। जिसमें विद्यालय परिवार के कर्मठ शिक्षक जयप्रकाश कोष्टी देवीसिंह पटेल हरीराम प्रजापति श्रीमती सुनीता काछी राकेश कुमार पटेल धनराज पटेल अनिल कुमार जाटव अभिलाषा गौतम मोहन बाई ठाकुर एवं अतिथि शिक्षक सहित समस्त विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए निरंतर मेहनत की जिसका परिणाम प्रदेश स्तर पर सम्मान के रूप में प्राप्त हुआ।इस मौके पर विद्यालय परिवार विद्यार्थियों पालकों एवं क्षेत्रवासियों ने प्राचार्य समस्त शिक्षकों को बधाई देते हुए विद्यालय की निरंतर प्रगति की शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।

युवा ब्राह्मण प्रकोष्ठ की बैठक संपन्न

तेंदूखेड़ा

विगत दिवस कमलकांत शर्मा के निवास पर ब्राह्मण समाज युवा प्रकोष्ठ की बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें ब्राह्मण समाज द्वारा अपने इष्टदेव भगवान परशुराम का पूजन अर्चन किया गया। उपस्थित सदस्यों का परिचय उपरांत कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की सदस्य पूर्व विधायक श्रीमती साधना स्थापक अध्यक्षता पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मैथिलीशरण तिवारी द्वारा की गई।सर्व ब्राह्मण सभा जिला अध्यक्ष नारायण प्रसाद दुबे उपाध्यक्ष नागेंद्र त्रिपाठी द्वारा सभी का पुष्पहारों तिलक लगाकर स्वागत किया गया।सभी तहसील अध्यक्षों द्वारा अपने विचार रखे।पंमैथिलीशरण तिवारी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि वर्तमान समय में युवा इस देश का भविष्य है वर्तमान समय में बिगड़ी सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए हमें आत्म चिंतन की आवश्यकता है। वर्तमान में युवा पीढ़ी नशे की तरफ लगातार अग्रसर हो रही है और अपने पुरानी रीति रिवाज परंपराओं को नजर अंदाज करते हुए भटकाव की दिशा में कदम बढ़ा रही है। बच्चों में अच्छे संस्कारों की जरूरत है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती साधना स्थापक ने अपने विचार रखते हुए कहा कि वर्तमान समय युवाओं को शिक्षित और मार्गदर्शित करने का समय है हमारे पूर्वजों द्वारा जिन परंपराओं का निर्वहन किया गया है हमें भी आज उन कार्यों को आगे बढ़ते हुए अपनी समाज को एक दिशा और गति प्रदान करना है

क्योंकि वर्तमान समय में ब्राह्मणों की मांग कर्मकांड के क्षेत्र में अत्यधिक बढ़ गई है परंतु आज युवाओं द्वारा कर्मकांड की तरफ ना जाकर अन्य दिशा की ओर मुड़ रहे हैं। जिससे आज समाज को कहीं ना कहीं एक क्षति हो रही है।पूर्व विधायक ने तेंदूखेड़ा सद्गुरु विद्यापीठ संचालक चंद्रकांत चौबे की गतिविधियों की तारीफ करते हुए कहा कि वास्तव में हम एक बच्चे की पढ़ाई लिखाई का खर्च नहीं बहन कर पाते हैं वहीं इनके द्वारा सैकड़ो बच्चों को कर्मकांड की शिक्षा निशुल्क प्रदान की जा रही है। महिला आयोग की सदस्य श्रीमती स्थापक ने काउंसलिंग बार में विजय हुई जय शर्मा राजेश्वरी वैष्णव और सुदेश वैद्य को भगवान परशुराम की प्रतिमा और शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को नारायण प्रसाद दुबे राकेश शर्मा नागेंद्र त्रिपाठी चंद्रकांत चौबे सहित विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार रखे। आभार नागेंद्र त्रिपाठी द्वारा संचालन कोषाध्यक्ष देवेंद्र पाठक के द्वारा किया गया।